वर्ष-9, अंक-7, 1-15 अप्रैल, 2024 (पाक्षिक)

चाणक्य वार्ता

राजभाषा हिन्दी की संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

ISSN 2456-1207

मूल्य : 25 रुपये

कुल पृष्ठ 40

चरैवेति! चरैवेति!!

लोगों के मानस में बसे हैं राम नाईक

90वें जन्म दिवस पर विशेष सामग्री

शिक्षक कभी साधारण नहीं होता। प्रलय और निर्माण उसकी गोद में पलते हैं—आचार्य चाणक्य

चाणक्य वार्ता

सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 9, अंक : 7, 1-15 अप्रैल, 2024

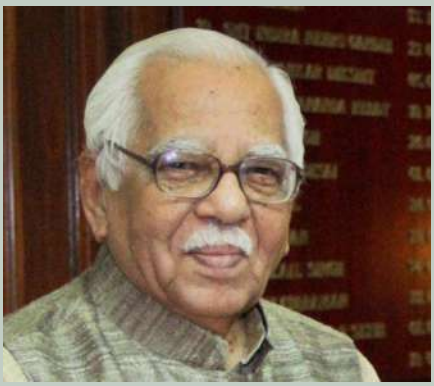

अनुक्रम

05 सम्पादक के नाम पत्र

06 सम्पादक की कलम से

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

07 लोगों के मानस में बसे हैं राम नाईक : योगेश कुमार गोयल

11 सात चरणों में समाप्त होगा चुनावी दंगल : धीरेंद्र मिश्र

15 शताब्दी वर्ष में संघ का समाज सेवा और सांगठनिक विस्तार पर जोर : डॉ. अमर सिंहल

राज्यों से

17 हरियाणा– हरियाणा में नायब सरकार, केंद्र की राजनीति करेंगे मनोहर लाल : विशाल शर्मा

19 दिल्ली– कहां चूक गए केजरीवाल, खतरे में सरकार! : डॉ भरत कुमार

21 राजस्थान– जयपुर-पारम्परिक और नूतन संस्कृति का केन्द्रः डॉ. अंजना बैराठी

23 गुजरात– शौर्य बलिदान के प्रतीक पाड़िया : डॉ विनोद बब्बर

नई दिल्ली कार्यालय
मुख्यालय :
'सन्निधि', ए-28, मनसाराम पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
कॉरपोरेट कार्यालय :
321, तृतीय तल, वर्धमान मॉल, प्लॉट-2, सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली-110077
सम्पर्क : 09871909808, 08571841127
ई-मेल : chanakyavarta@gmail.com

उत्तर क्षेत्र कार्यालय
एस.सी.ओ. 24, द्वितीय तल, सेक्टर-11, पंचकूला, हरियाणा-134112
सम्पर्क : 0172-4672424, 09466988764

पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यालय
116, कॉमर्स हाउस, एम.जी. रोड, फैंसी बाजार निकट ऐक्सिस बैंक, गुवाहाटी, असम-781001
सम्पर्क : 09101834214, 9864337619

दक्षिण क्षेत्र कार्यालय
13, नल्लन्ना मुदली स्ट्रीट, साहुकारपेट, चेन्नई-600 079
सम्पर्क : 9342302248, 9941245660

संरक्षक
डॉ. योगेन्द्र नारायण (पूर्व महासचिव, राज्यसभा)
कुलाधिपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय
लक्ष्मीनारायण भाला (वरिष्ठ साहित्यकार)

परामर्श मंडल
पद्मश्री डॉ. श्यामसिंह शशि
(कुलाधिपति, रोमा विश्वविद्यालय)
वेणुगोपालन (वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादक मंडल
सम्पादक : **डॉ. अमित जैन**
राजनीतिक सम्पादक : **ओम् प्रकाश पाल**
उप सम्पादक : **सारांश कनौजिया**

संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक
स्व. घनराज भाम्बी
(वरिष्ठ पत्रकार– रक्षा सेनाएँ एवं अर्द्ध सैनिक बल)

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार प्रभारी
दिलीप बैनर्जी, कोलकत्ता

आर्थिक सलाहकार मंडल
सी.ए. मन्त्रेश्वर कर्ण
सी.ए. स्वीटी जैन

अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल
धर्मपाल महेन्द्र जैन, टोरंटो, कनाडा

विधि सलाहकार मंडल
योगेश कुमार (चेयरमैन, नेचर व्यू)
अजय नागर (स्वतंत्र पत्रकार)

राज्य प्रभारी
उत्तर क्षेत्र प्रभारी—**विशाल शर्मा**, चंडीगढ़
पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रभारी—**राजीब अगस्ती**, गुवाहाटी
दक्षिण क्षेत्र प्रभारी—**नवरतन पींचा जैन**, चेन्नई
पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी—**आशा सिंह देवासी**, मुबई
पूर्वी क्षेत्र प्रभारी—**प्रकाश बेताला**, भुवनेश्वर
कर्नाटक प्रभारी—**हर्ष गोयल**, बेंगलुरु
तमिलनाडु प्रभारी—**जे.पी. ललवानी**, चेन्नई
मध्य प्रदेश प्रभारी—**लखनलाल चौरसिया**, भोपाल
पश्चिमी उ.प्र. प्रभारी—**अंकित जैन**, मेरठ

चिंतन

25 कांग्रेस और संघ : एक सिंहावलोकन-76
3 जून घोषणा : मुसलमानों को संजीवनी : कृष्णानंद सागर
26 आचार्य चाणक्य ने बताया किस को कैसे वश में करें-रमेश जैन

अध्यात्म

27 सवाल आपके जवाब गुरुजी नन्दकिशोर तिवारी जी के

व्यंग्य

28 राजनीति में लंगोट का महत्व : पूरन सरमा

गीत

29 जाग उठा है भारत देश : लक्ष्मीनारायण भाला 'लक्खीदा'

समाचार जगत

30 चाणक्य वार्ता पाक्षिकनामा
31 खबरों में देश-विदेश : सोनम जैन
32 उत्तर भारत की खबरें : विशाल शर्मा/शैलेन्द्र जैन
33 पूर्वोत्तर भारत की खबरें : राजीब अगस्ती/डॉ. आलोक सिंह
34 दक्षिण भारत की खबरें : वेद प्रकाश पांडेय/ ईश्वर करुण
35 पश्चिम भारत की खबरें : आशा सिंह देवासी/धीरेन बरोट

जॉब अलर्ट

36 सरकारी नौकरियों में अवसर : सी.ए. स्वीटी जैन

सबरंग

37 सिनेमा, टेलीविजन : डॉ. महेश्वर

देश भर में 'चाणक्य वार्ता' के प्रतिनिधि

राज्य ब्यूरो चीफ
धीरेन्द्र मिश्र, नई दिल्ली
डॉ. अमर सिंहल, जयपुर, राजस्थान
शैलेन्द्र जैन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
अजय भट्ट, देहरादून, उत्तराखंड
डॉ. गुलाब सिंह, यमुना नगर, हरियाणा
शरद छिब्बर, चंडीगढ़
रमेश गुप्ता, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
गुरुवचन सिंह, शिमला, हिमाचल प्रदेश
सतीश सिंह, गुवाहाटी, असम
डॉ. आलोक सिंह, शिलांग, मेघालय
शुभ्रांशु दाम, धर्मनगर, त्रिपुरा
तुंबन रीबा 'लीली', ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
हुरुई जेलियांग, दीमापुर, नागालैंड
डॉ. ललमुआनओमा साइलो, आईजोल, मिजोरम
किरन कुमार, इंफाल, मणिपुर
डॉ. टी.बी. छेत्री, गंगटोक, सिक्किम
वेद प्रकाश पाण्डेय, बेंगलुरु, कर्नाटक
ईश्वर करुण, चेन्नई, तमिलनाडु
जी. गौरीशंकर, हैदराबाद, तेलंगाना
उमा महेश्वर रेड्डी, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
श्रीकांत कण्णन, पुडुचेरी
अरुण लक्ष्मण, तिरुवन्तपुरम, केरल
सुमन कुमार, अहमदाबाद, गुजरात
किशोर आपटे, मुंबई, महाराष्ट्र
विनायक भिषे, सतारा, महाराष्ट्र
विनोद कुशवाहा, भोपाल, म.प्र.
सियानंद मंडल, पटना, बिहार
गौतम चौधरी, राँची, झारखंड
अशोक नंदी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
राजेन्द्रपाल शर्मा, पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार

नेशनल सोशल मीडिया हेड
हेमन्त उपाध्याय, नई दिल्ली

नेशनल मार्केटिंग हेड
धीरेन बरोट, नई दिल्ली

जिला ब्यूरो चीफ
अविनाश पाठक, नागपुर, महाराष्ट्र
अनमोल जैन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
सुनीता गोस्वामी, मथुरा, उत्तर प्रदेश
डॉ. डी.के. अस्थाना, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
संजय सक्सेना, कानपुर, उत्तर प्रदेश
सोनम जैन, दिल्ली

नोट : देश के कोने-कोने में आप अपने समाचार पत्र हॉकर के माध्यम से घर बैठे 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका मँगा सकते हैं। यदि आपको पत्रिका मिलने में कठिनाई होती है, तो आप 'चाणक्य वार्ता' के मुख्य प्रसार कार्यालय, नई दिल्ली में 08586858185 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा ***chanakyavarta@gmail.com*** पर ई-मेल भी कर सकते हैं।

प्रसार प्रबंधक

© सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति आवश्यक है। प्रकाशित रचनाओं के विचार से 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अंतर्गत विचारणीय रहेंगे।

इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी, नई दिल्ली का पाक्षिक प्रकाशन

चाणक्य वार्ता मीडिया प्रा.लि. का उपक्रम

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित जैन के लिए विकास कम्प्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद से मुद्रित एवं ए-28, मनसाराम पार्क, नई दिल्ली से प्रकाशित।

सम्पादक : **अमित जैन।**

वेबसाइट : www.chanakyavarta.com

सम्पादक के नाम पत्र

आप सभी पाठकगण पत्रिका में प्रकाशित लेखों पर अपने विचार या कोई सुझाव हमें हमारी ई-मेल आईडी response50123@gmail.com पर भेज सकते हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार हम आपके विचारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।
—सम्पादक 'चाणक्य वार्ता'

डॉ. अमित जैन द्वारा लिखा संपादकीय बहुत सारगर्भित और सामयिक है। यूसीसी कानून आजादी के बाद ही बन जाना चाहिए था, पर उस समय की तुष्टिकरण के सिद्धांत पर चलने वाली सरकार ने जानबूझकर उपेक्षा की। एक वर्ग को अपनी मनमानी करने के लिए छोड़ दिया, पर दूसरे बहुसंख्यक वर्ग पर हिंदू कोड बिल लाद दिया गया। तत्कालीन सरकार की गलतियों के कारण न केवल जनसंख्या में जबरदस्त अंतर आया बल्कि आपसी वैमनस्य के साथ आतंकवाद भी बढ़ा। अब यूसीसी को केवल उत्तराखंड में लागू करने से समस्या का निपटारा नहीं होगा। इस कानून को शीघ्रातिशीघ्र पूरे देश में लागू करना अत्यंत आवश्यक है।

सांवरमल सांगानेरिया
गुवाहाटी, असम

चाणक्य वार्ता के 16 मार्च 2024 के अंक में एक देश एक चुनाव पर डॉ. अमित जैन का संपादकीय पढ़ा। यह एक बहुत ही क्रांतिकारी कदम है। उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2029 का चुनाव भारत में इसी विचार के साथ होगा। पूरे देश में एक साथ चुनाव होने से करोड़ो रूपयों की बचत होगी। इसके अलावा जब भी चुनाव होता है। आचार संहिता लागू होने के कारण कई विकास कार्य थम जाते हैं। चुनाव एक साथ होने से ऐसा नहीं होगा। डॉ. जैन ने एक देश एक चुनाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं का बहुत ही बारीकी से अध्ययन कर अपना संपादकीय लिखा है। इसके लिए वो प्रशंसा के पात्र हैं।

शिवराम ठाकुर
शिमला, हिमाचल प्रदेश

चाणक्य वार्ता के अंक में आम चुनावों की सरगर्मियों पर धीरेंद्र मिश्र का लेख पढ़ा। जब यह लेख लिखा गया होगा, तब संभवतः चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा नहीं की होगी। इसलिए मुझे लगता है कि इस लेख को तत्कालीन परिस्थितियों के अनुसार ही देखा जाना चाहिए। धीरेंद्र मिश्र ने इस लेख में पूरे भारत की चुनावी स्थिति को बहुत कम शब्दों में समेटने में सफलता प्राप्त की है। यह एक सारगर्भित लेख है।

हेमलता सोरेन
रांची, झारखण्ड

चाणक्य वार्ता के 16 मार्च अंक में समान नागरिक संहिता (सीएए) पर डॉ. भरत कुमार का लेख पढ़ा। यह एक अच्छा निर्णय है। जब भारत का विभाजन हुआ था, तब जिन्नाह ने प्रस्ताव रखा था कि जिस प्रकार संप्रदाय के अनुसार भूमि का विभाजन हुआ है, उसी प्रकार जनसंख्या का विभाजन भी हो जाना चाहिए। लेकिन हमारे तत्कालीन सत्ताधारी नेताओं ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि बड़ी संख्या में हिन्दू पाकिस्तान और वर्तमान बांग्लादेश में फंस गए। जब हम हिन्दू की बात करते हैं, तो उसमें सिख, जैन व बौद्ध सहित भारत में जन्में सभी सम्प्रदाय आ जाते हैं। और जहां तक अफगानिस्तान का प्रश्न है, वह कभी भारत का ही अंग था। इसलिए यहां के हिन्दुओं का भी भारत पर उतना ही अधिकार है, जितना पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान में रहने वाले हिन्दुओं का।

रवि जैन
पटना, बिहार

चाणक्य वार्ता में भारत के रायसीना संवाद पर योगेश कुमार गोयल का लेख पढ़ा। रायसीना संवाद, मोदी सरकार की बहुत अच्छी पहल है। इस सरकार के आने के बाद से हमारी विदेश नीति बहुत अच्छी हो गई है। इसे सबल बनाने के लिए रायसीना संवाद एक बहुत अच्छा प्रयास है। निरंतर संवाद से भारत के संबंध अन्य देशों के साथ मजबूत हुए हैं। ये देश भी स्वयं को भारत से जुड़ा हुआ मानने लगे हैं। कई द्विपक्षीय मुद्दे रायसीना संवाद में सुलझा लिये जाते हैं या फिर सुलझाने की दहलीज पर पहुंच जाते हैं।

बी. चंद्रशेखर
अमरावती, आंध्र प्रदेश

चाणक्य वार्ता अंक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर डॉ. दीपक कोहली का लेख पढ़ा। वो अपने लेखों में अक्सर ऐसे विषयों को लेकर आते हैं, जो भले ही कम प्रचलित हों, लेकिन उनमें ज्ञान बहुत अधिक होता है। उनके लेखों के माध्यम से मुझे नई प्रौद्योगिकी व नए शोधों के बारे में जानने का बहुत अच्छा अवसर प्राप्त होता है। इन लेखों को प्रकाशित करने के लिए मैं चाणक्य वार्ता पत्रिका का भी आभारी हूं। इसी अंक में द्वारका एक्सप्रेसवे पर विशाल शर्मा का लेख पढ़ा। यह केंद्र सरकार का एक अद्भुत प्रयास है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अब मनोहर लाल के अधूरे कामों को नायब सिंह सैनी आगे बढ़ायेंगे और मनोहर लाल भविष्य में केंद्र सरकार में अपना योगदान देंगे।

रणदीप कौर
अमृतसर, पंजाब

चाणक्य वार्ता के 16 मार्च 2024 के अंक में अनंत अंबानी के वनतारा पर श्वेता गोयल का लेख पढ़ा। मुझे लगता है कि किसी प्राइवेट संस्थान के द्वारा भारत में किया गया, यह सबसे बड़ा प्रयास है। अनंत के सपनों का वनतारा किसी प्रदेश सरकार के लिए भी बना पाना मुश्किल होगा। एक स्थान पर वन्यजीवों के लिए इतनी अधिक सुविधाएं शायद ही भारत में कहीं और उपलब्ध होंगी। हम सभी को इसकी प्रशंसा करनी चाहिए, जिससे और औद्योगिक घरानों को भी इसी प्रकार के कार्य करने के लिए प्रोत्साहन मिल सके।

डॉ. शेषधर द्विवेदी
गोरखपुर, उ.प्र.

चाणक्य वार्ता के अंक में जैन दीक्षा पर डॉ. दिलीप धींग का लेख पढ़ा। दीक्षा लेकर संन्यास लेने वाले ये महापुरूष पूरे समाज को एक सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। होली हर्षोल्लास का पर्व है। हास्य परिहास का त्योहार है। इस पर व्यंग इसे और चुटीला बना देता है। इसी अंक में विनोद कुमार विक्की का होली पर व्यंग मुझे कुछ ऐसा ही प्रयास लगा। उन्होंने अपने व्यंग का रंग हम पाठकों पर डाला है।

सुदीप बंदोपाध्याय
कोलकाता, पश्चिम बंगाल